हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई, 2025

11 महिलाओं ने झूला झूलकर व सांस्कृतिक गतिविधियों

12 फ्रॉड की जांच की मांग को लेकर माकपा का प्रदर्शन

खबर संक्षेप

भिवानी। एलआईसी रोड तहसील परिसर में कानूनी सहायता शिविर में शामिल दिव्यांगजन। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 25 दिव्यांगों ने रखीं समस्याएं

भिवानी। एलआईसी रोड तहसील परिसर में दिव्यांग समाज द्वारा निःशुल्क कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया। शिविर की अध्यक्षता दिव्यांग समाज हरियाणा के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि एडवोकेट सुनील पंवार ने की तथा मंच संचालन प्रदेश अध्यक्ष रमेश कुमार लाडवा ने किया। शिविर में लगभग 25 दिव्यांगों ने अपनी समस्याएं रखी। शिविर का शुभारंभ करते हुए सेवानिवृत्त हेड मास्टर शक्ति सिंह सिवाच ने कहा कि दिव्यांगों की सहायता व उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए कानूनी सहायता शिविरों का आयोजन होना बहुत जरूरी है। शिविर में उपस्थित दिव्यांगजनों ने अपनी समस्याएं रखी, जिसका एडवोकेट संजय कुमार अग्रवाल व एडवोकेट सुनील पंवार ने मौके पर ही कानूनी समाधान बताया। शिविर में लगभग 25 दिव्यांगों ने अपनी समस्याएं रखी सभी को उसका कानूनी समाधान बताया।

भिवानी। कस्बे के सरल केंद्र में टूटी सिलिंग। फोटो : हरिभूमि

सरल केंद्र की सीलिंग गिरी, हादसा टला

बाढ़ड़ा। कस्बे में स्थित सरल केंद्र की बिल्डिंग की सिलिंग हाल ही में हुई बरसात के चलते अचानक गिर गई। गनीमत रही कि उस समय केंद्र में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। नंबरदार राजबीर हंसावास, हरि सिंह बाढड़ा प्रविंद्र, रवि व रामचंद्र आदि ने बताया कि पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण सरल केंद्र की छत में सीलन आ गई थी, जिसकी जानकारी कर्मचारियों और आमजन ने प्रशासन को कई बार दी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। आखिरकार शुक्रवार को सुबह छत की सिलिंग एकाएक नीचे गिर गई।

भिवानी। बसों में बैठकर परीक्षा केंद्रों पर जाते परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। बसों में बैठकर परीक्षा केंद्रों पर जाते परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। अल सुबह परीक्षार्थियों को बसों की जानकारी देते जीएम दीपक कुंडु।

सीईटी परीक्षा

पुलिस की नाकाबंदी आई काम, न रास्ते अवरुद्ध और न किसी का अटका काम

60 घंटे की अफसरों-कर्मचारियों की मेहनत रंग लाई, परीक्षा से वंचित नहीं रहा कोई परीक्षार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों के करीब 60 घंटों की कड़ी मेहनत की बदौलत सीईटी परीक्षा की चारों शिफ्ट शांतिपूर्वक तरीके आयोजित हो गई। यह पहला मौका था जब इतने बड़े स्तर पर अधिकारी व कर्मचारियों ने लाखों बच्चों को घर से परीक्षा केंद्र तथा वापस घर पहुंचाया। परीक्षा के महाकुम्भ शांतिपूर्ण तरीके से होने पर आला अधिकारियों ने राहत की सांस ली। अधिकारी भी परीक्षा के सफल आयोजन के लिए एक दूसरे को थैंक्यू कहते नजर आए। चूंकि हर जिले में दो दिनों में लाखों परीक्षार्थियों का आवागमन व उनको परीक्षा केंद्र तक पहुंचाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। इस अभियान में पुलिस, रोडवेज के अलावा अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों का जबरदस्त सहयोग रहा। देर रात तक प्रत्येक परीक्षार्थी अपने घर तक सकुशल पहुंचने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली। परीक्षा की समाप्ति के बाद आज रात के अधिकारी व ड्यूटी देने वाले कर्मचारी चैन की नींद सों सकेंगे।

नहीं छूटी किसी की परीक्षा

इस परीक्षा में सबसे बड़ी देखनेलायक बात यह थी कि अधिकारी व कर्मचारी बार बार सेंटर पूछने या कोई अन्य बात पूछने पर तैश में नहीं आए। बल्कि भिवानी में दो तीन छात्र गलती से किसी दूसरे परीक्ष केंद्र पर पहुंच गए तो अधिकारियों ने अपनी गाड़ी बैठाकर सही परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया। रोडवेज कर्मचारियों का खासा योगदान रहा। रोडवेज कर्मचारियों के पास दूसरे जिले से पहुंचे परीक्षार्थयों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं था। परीक्षार्थियों को शटल बस सेवा के जरिए परीक्षा केंद्र तक पहुंचाना और परीक्षा खतम होने पर उन बच्चों को वापस बस अड्डे तक लेकर आने का कार्य पूरा किया।

नानी के साथ-साथ नौनिहालों के लिए ममता की छाँव बने पिता

अनेक परीक्षा केंद्रों पर पिता अपने नौनिहालों को अपनी सीने से लगाए दिखाई दिए तो कहीं पर पिता उनके मासूमों के साथ अठखेलियां करते दिखाई दिए। गांव सिसाय निवासी मनित ने बताया कि वह अपनी पत्नी का पेपर दिलाने के लिए आया है। बच्चा छोटा है, लेकिन उसके साथ खेलने से सारी थकान दूर हो रही है। हालांकि बच्चा बीच-बीच में मम्मी का याद जरूर करता है। इसी तरह से हिसार से परीक्षा देने आई सोनिया ने बताया कि वे अपने दो साल के बच्चे के साथ परीक्षा देने आई हैं। उनका दो साल का बेटा परीक्षा के दौरान उनके पापा के पास ही रहेगा। हिसार से अपनी बेटी सुजल की परीक्षा दिलाने आई बुजुर्ग महिला ने अपने दोहते को गर्मी से बचाने के लिए अपने दुपट्टा सुरक्षा कवच बनाया ।

दो परीक्षार्थियों को उनके सही परीक्षा केंद्रों पर छोड़ा

डीसी साहिल गुप्ता और एसपी मनबीर सिंह के आदेश रविवार को एक बार फिर रास्ता भटके परीक्षार्थियों के लिए वरदान साबित हुए। अधिकारियों ने भूलवश अन्य परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे परीक्षार्थियों को उनके सही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाया। सुबह के सत्र की परीक्षा के दौरान जिला भिवानी से कस्बा बहल और हिसार जिला के गांव राखीगढ़ी से एक परीक्षार्थी को शहर में चौ. बंसीलाल पार्क के पास लिटिल हर्ट स्कूल में पहुंचना था, लेकिन वे भूलवश कुंसभी रोड पर लिटिल हर्ट स्कूल पहुंच गए। वहां पर पहुंचने पर वे घबरा गए और अपने स्कूल के बारे में जानने लगे। तभी वहीं रूट नंबर दो, तीन और चार के इंचार्ज एवं लोहारू के एसडीएम मनोज दलाल ने उनसे पूछा और उनके परीक्षा केंद्र के बारे में जानकारी ली। मनोज दलाल वहीं से उनको अपनी गाड़ी में बैठाकर शहर में उनके परीक्षा केंद्र तक लेकर आए। परीक्षार्थियों ने मनोज दलाल का बहुत बहुत आभार प्रकट किया।

रोडवेज जीएम दीपक कुंडु व टीम भरत परमार की जोड़ी करीब 60 घंटों तक बस अड्डे पर जमी रही। शुक्रवार सुबह नौ बजे बस अड्डे पर दोनों अधिकारी पहुंचे और परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की योजना पर काम करना आरंभ कर दिया। शुक्रवार देर रात तक बस अड्डे पर ही रहे। रात को फिर एक बजे बस अड्डे पर पहुंच गए। उसी दिन से लेकर आज देर रात तक उसी तरह से ड्यूटी दे रहे हैं। बस अड्डे पर अगर कोई परीक्षार्थी इन अधिकारियों कोई जानकारी लेते है तो वे उन बच्चों को बस नम्बर तक बता रहे हैं। परीक्षा ड्यूटी में इतने व्यस्त रहे कि इन अधिकारियों ने अपने घरों से खाना मंगवा कर बस अड्डे पर ही खाया और फिर अपने काम में जुट गए।

दूसरी तरफ पुलिस ने हर दो से तीन सौ मीटर पर नाकाबंदी करके वाहनों को लाइनों को लाइनों में निकलवाया। जिससे जाम की स्थिति नहीं बन पाई। प्रशासन की मुस्तैदी के चलते कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा देने से वंचित नहीं रहा।

यातायात पुलिस निरीक्षक सुरेश कुमार व उनकी टीम का भी सहयोग बेहद बेहतरीन रहा। उनके निर्देशानुसार सभी नाकों पर जाम की स्थिति से निपटने के लिए ड्यूटी लगाई थी। उप निरीक्षक रामनिवास व उनकी टीम को क्रेन की जिम्मेदारी दी हुई थी। अचानक जेल के पास बने ओवरब्रीज पर गाड़ियां रुक गई। मौके पर क्रेन लेकर उप निरीक्षक रामनिवास पहुंचे तो जाकर देखा कि एक कार बीच सड़क में बंद थी। चालक से पूछा तो बताया कि कार का तेल खतम हो गया। उसके बाद उक्त अधिकारी ने कार को क्रेन से हटवाया और कार के लिए तेल मंगवाकर रवाना की। इसी तरह सड़क के बीच में एक ऑटो का अगला पहिया पैंक्चर हो गया। उनको जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे और क्रेन से आटों को हटवाकर वाहनों का आवागमन रूकने नहीं दिया।

एसएचओ ने अपनी गाड़ी से परीक्षार्थी को पहुंचाय : वहीं दूसरी ओर थाना शहर एसएचओ सत्यनारायण शर्मा द्वारा की गई मदद भी जींद से परीक्षा देने पहुंची पूनम के लिए वरदान बनी। पूनम भूलवश गवर्नमेंट कॉलेज में पहुंच गई थी, जबकि उसका परीक्षा केंद्र गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में था। पूनम ने इस बारे में वहां पर तैनात एसएचओ सत्यनारायण शर्मा को बताया, तभी एसएचओ ने तुरंत प्रभाव से अपनी गाड़ी में बैठाकर 5 मिनट पहले ही परीक्षा केंद्र में पहुंचा दिया। इस पर पूनम ने पुलिस प्रशासन का आभार प्रकट किया।

हैंड मेटल डिटेक्टर से परीक्षार्थियों को जांचा मोबाइल में फोटो खिंचकर किया मिलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को दूसरे दिन सीईटी की परीक्षा चॉक चौबंद व्यवस्था के बीच हुई। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के बाहर जबरदस्त पुलिस का पहरा रहा। सुरक्षा व्यवस्था के चलते किसी भी परीक्षा के बाहर व भीतर पंछी को भी पैर नहीं मारने दिया। वहीं विभिन्न जगहों से पहुंचे परीक्षार्थियों की बारीकी से जांच पड़ताल के बाद ही परीक्षा केंद्र के भीतर प्रवेश मिला। सुरक्षा एजेंसियों ने हैंड मेटल डिटेक्टर से जांच करने के बाद ही अगले पड़ाव तक पहुंचने दिया। इस दौरान बायो मेटिक, मोबाइल फोन से फोटो खिंचकर फोटो का मिलान करने के बाद ही परीक्षा भवन तक परीक्षार्थी पहुंच पाए। परीक्षार्थियों की जांच पड़ताल प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई। इनके अलावा परीक्षा भवन में लगे सीसीटीवी कैमरों में परीक्षा शुरू से लेकर खतम होने तक रिकार्डिंग दर्ज हुई।

चौकस रही सुरक्षा व्यवस्था

किसी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए सुबह सवेरे ही पुलिस परीक्षा केंद्रों पर पहुंच गई। निर्धारित समय पर ही परीक्षार्थियों को प्रवेश देने के लिए लाइनें बनवाई गई। महिला व पुरुष पुलिस कर्मी अलग अलग लाइनों के आगे खड़े होकर उनके आईडी व रोलनम्बर चेक कर रहे थे। सारी जांच पूरी होने के बाद ही उनको अंदर जाने दिया। इस दौरान भी एक अन्य आईडी, बायोमेटिक, फोटो मिलान व अन्य सारी प्रक्रिया पूरी करवाई गई। वहीं परीक्षा भवन के भीतर प्रवेश से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने परीक्षार्थियों के हाथों में बंधे कलाए,बेल्ट, अंगूठी, महिलाओं के गले में हार, कानों व नाक का मोती, जुड़ा पिन व अन्य सामान बाहर ही उतरवा लिया गया।

भिवानी। हैंड मेटल डिटेक्टर से जांच करते सुरक्षा कर्मी। फोटो : हरिभूमि

इस दौरान बैग व अन्य सामान को भी बाहर ही रखवाया गया। सीईटी परीक्षा के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के निर्देशानुसार शहर में 35 लोकेशन पर 56 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए शहर में सात रूट बनाए गए हैं, जिन पर शटल बस सेवा चलाई जा रही है, जो कि शनिवार को नियमित रूप से चली। रविवार को भी शटल बस सेवा ने परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया।

रोडवेज ने कर दी बल्ले-बल्ले: भिवानी निवासी पारूल शर्मा ने बताया कि रोहतक के लिए एक के बाद एक सरकारी बस लग रही है। सरकार ने बहुत ही अच्छी व्यवस्था की है। इसी प्रकार से गांव सैय निवासी विजय सिंह ने बताया कि वह अपनी बेटी खुशप्रीत की परीक्षा दिलाने के लिए नारनौल जा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा बसों की पर्याप्त व्यवस्था की है, जिसके लिए वे प्रशासन तथा सरकार के आभारी हैं। वहीं विजय की सुपुत्री खुशप्रीत ने कहा कि गांव से यहां तक आने में भी उनको कोई परेशानी नहीं हुई। बसों की ऐसी व्यवस्था है कि वे समय पर नारनौल परीक्षा देने पहुंच जाएंगी।

डीसी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ परीक्षा केंद्र अधीक्षकों को दिए जरूरी निर्देश

डीसी साहिल गुप्ता ने रविवार को सीईटी परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने को लेकर भिवानी शहर में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने परीक्षा के पारदर्शी ढंग से संचालन के लिए जरूरी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 26 और 27 जुलाई को हरियाणा राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सीईटी की परीक्षा संचालित की गई। रविवार को भी सीईटी की परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। डीसी ने परीक्षा केंद्र वैश्य मॉडल स्कूल, टीआईटीएस, राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बाल भवन स्कूल और हलवासिया विद्या विहार स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल में तैनात स्टाफ सदस्यों को जरूरी निर्देश दिए। डीसी गुप्ता पहले वैश्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पहुंचे, यहां पर उन्होंने केंद्र अधीक्षक और स्कूल प्राचार्य से बात की और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इसके पश्चात डीसी तोशाम रोड पर टिट्स संस्थान में पहुंचे और सीईटी परीक्षा के संचालन का जायजा लिया।

बाढ़ड़ा रूट पर बस सेवाओं से परीक्षार्थी समय पर केंद्रों तक पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

प्रदेश भर कल व आज 26-27 जुलाई को आयोजित सीईटी-2025 के लिए बाढ़ड़ा मार्ग से महेंद्रगढ़ और नारनौल जाने वाले अभ्यर्थियों के लिए परिवहन विभाग ने विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की।

सीईटी परीक्षा के लिए प्रदेश सरकार ने बस यात्रा को निःशुल्क कर दिया था। सरकारी आदेशानुसार महिला और दिव्यांग परीक्षार्थियों के साथ एक सहायक का भी किराया माफ कर दिया था। परिवहन विभाग के प्रभारी भूपसिंह

ने बताया कि सफलता पूर्वक और समय रहते अ यर्थियों को परीक्षा स्थल तक पहुंचना हमारा लक्ष्य था, जिसको हमारी टीम ने तत्परता से निभाया है। परिवहन विभाग टीम के अलावा निजी विद्यालय की बसों के माध्यम से दोनों दिन की यातायात व्यवस्था को प्रभावशाली और भरोसेमंद बनाया जिसके लिए समस्त स्टाफ प्रशंसा का पात्र है। उन्होंने बताया कि बाढड़ा से महेंद्रगढ़ और नारनौल के लिए पहली शिफ्ट सुबह पांच बजे तो दूसरी शिफ्ट 10 बजे शुरू की गई थी । परिवहन विभाग के साथ साथ पुलिस कर्मी की तैनाती भी की गई थी, ताकि किसी भी किस्म की देरी न हो और परीक्षार्थी बिना किसी परेशानी के अपने केंद्र पर पहुंच जाएं।

विकास कुमार, पंकज, अंकित श्योराण आदि परीक्षार्थियों ने परिवहन विभाग की कार्यशैली की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश पर की गई इस व्यवस्था को लेकर दिव्यांग काफी संतुष्ट नजर आए।

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने प्रवचनों से किया निहाल

गुरु को पाने के लिए लगन और विरह चाहिए : कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ गुरु का हुक्म परमात्मा का, परमात्मा के हुक्म के बिना पत्ता भी नहीं हिलता: कवंर साहेब

गुरु का हुक्म परमात्मा का हुक्म है और परमात्मा के हुक्म के बिना पत्ता तक नहीं हिलता। जो गुरु का हुक्म मानता है उसको कभी नीचा नहीं देखना पड़ता। गुरु की शरणाई हृदय में भक्ति रूपी हरियाली लाती है। जैसे सावन में तीज का त्योहार प्रकृति को हरा कर देता है वैसे ही गुरु का सत्संग मनुष्य के जीवन में भक्ति रूपी हरियाली लाता है।

यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने तीज त्योहार के अवसर पर उपस्थित साध संगत को बधाई संदेश देते हुए फरमाए। हुजूर कंवर साहेब ने उपस्थित संगत के साथ तीज का झुला झूलते हुए कहा कि भारत वर्ष के प्रत्येक त्योहार का अपना महत्व है। तीज को त्योहार के प्रारंभ का अवसर भी माना जाता है। उन्होंने कहा कि संतो ने सावन के महीने की महिमा गाई है क्योंकि यह माह हृदय में उल्लास भरता है।

संत मानते हैं कि जैसे सावन माह प्रकृति में हरियाली लेकर आता है वैसे ही मानव जीवन में भी भक्ति रूपी हरियाली आती है। उन्होंने फरमाया कि त्योहार चाहे कोई भी हो अगर वो गुरु की सोहबत में उनके चरणों में मनाया जाए तो उसका महत्व बहुत बढ़ जाता है। हम रूह की बेहतरी के लिए,मानव जीवन के कल्याण के लिए गुरु की खोज करते हैं। गुरु मिलता है तभी लेखा निमड़ता है।

गुरु को पाने के लिए लग्न और विरह चाहिए गुरु से प्रीत बनावटी नहीं होनी चाहिए। जुबानी जमा खर्च भक्ति में नहीं चलता। गुरु भक्ति के लिए तो हृदय की शुद्धता चाहिए। शुद्ध हृदय वाला ही शब्द भेद को जान सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मन कर्म वचन से पवित्र रहते हुए सुखाला जीवन जियो।

ज्वेलर्स की दुकान से लाखों के आभूषण, नकदी चोरी

बाढ़ड़ा। कस्बे में लोहारू रोड पर स्थित लक्ष्य ज्वैलर्स की दुकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर लाखों रुपयों के सोने, चांदी व नगदी की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह दुकान मालिक की जब चोरी की सूचना मिली तो तुरंत 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है वहीं चोरी की घटना पर व्यापारिक संगठनों ने गहरा रोष प्रकट किया है। कस्बे के लोहारु रोड स्थित लक्ष्य ज्वैलर्स पर देर रात्रि चोरों ने जमकर कहर बरपाया। दुकान के मालिक देवेन्द्र सिंह सोनी भांडवा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चोरों ने ताला तोड़कर अंदर शीशों को भी तोड़ दिया और वहां रखे 18 तोले सोने के आभूषण, 15 किलोग्राम चांदी व 5 हजार की नगदी उड़ा ले गए। जब चोरी की सूचना मिली तो तुरंत 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई जिसने पहुंच कर मौका मुआयना किया तथा दुकान में लगे सीसीटीवी के अलावा आसपास के कैमरे से फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। चोरी किए गए सामान का पूरा आंकलन किया जा रहा है। मौके पर मौजूद कृष्ण सोनी, यशवीर सोनी, जयवीर काकड़ौली, सुंदर सिंह, बलजीत श्योराण, विजेंद्र सांगवान, नरेंद्र जांगड़ा इत्यादि दुकानदार व स्थानीय व्यापारियों में घटना को लेकर रोष है। व्यापार मंडल ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग की है।

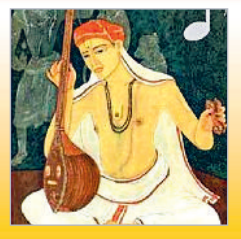

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं

डेरू, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरु : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें शृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता — राजपाल सिंह गुलिया

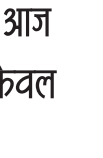

मोल माणसाँ का गिर ग्या

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या ।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या ।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या ।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या ।
तनै त्योहार पै आणा छोड़्या, तूँ कती निस्तरग्या ।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट नै पड़वावैं सै ।
काणी कूट बता कै देखो, फ्रंट रोड का चाहैं सैं ।
रोज दूसरे लोग आण के, इनने न्यूँ बहकावैं सैं ।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाहक- भतेरे आवैं सैं ।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या ।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै ।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै ।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै ।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै ।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या ।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये ।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये ।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये ।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये ।
कितै डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता — रणबीर सिंह दहिया

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्वण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै एकेजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच कै खूबै मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ मैं सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ।।

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़्या इनै चुप करवादयो नै ।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र

अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास — राज कुमार नरवाल

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि — ओंकारेश्वर पांडेय

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

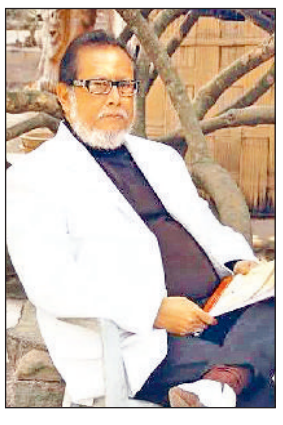

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेई शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

खबर संक्षेप

विधायक के छोटे भाई ने किया पौधरोपण

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा हलका विधायक कपूर वाल्मीकि के छोटे भाई राकेश वाल्मीकि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधरोपण में जुटे हैं। तीज के पावन पर्व पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश वाल्मीकि ने रविवार को बच्चों व उनके परिजनों संग मिलकर पौधारोपण करवाया। इस अवसर पर राकेश वाल्मीकि ने इन सभी रोपित पौधों के संरक्षण और देखभाल का जिम्मा भी बच्चों व उनके परिजनों को दिलवाया।

परीक्षार्थियों के लिए दूसरे दिन भी लगाई छबील

भिवानी। सीईटी की परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों को पीने के पानी की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सैनी कल्याण परिषद ने महम रोड़ कालुवास मोड़ पर दो दिवसीय मीठे पानी की जल छबील लगाई। परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी व उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी ने संयुक्त रूप से बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह मुख्यमंत्री ने ओबीसी के सम्मेलन में कहा था सीईटी के विद्यार्थियों के लिए सभी सुविधाएं बसों व ठहरने की व्यवस्था सरकार द्वारा करने की कही थी।

बीपीएचओ ने दूसरे दिन जारी रखी जलपान सेवा

भिवानी। भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गनाइजेशन (बीपीएचओ) की भिवानी टीम ने सीईटी परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को भी दिनोद गेट स्थित परीक्षा केंद्र के बाहर परीक्षार्थियों के लिए जलपान सेवा बीपीएचओ के सह संस्थापक रमेश टांक व नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन मामचंद प्रजापति के नेतृत्व में जारी रखी। इस दौरान बीपीएचओ सदस्यों ने स्टॉल लगाकर परीक्षा देने आए विद्यार्थियों को पानी और अन्य जलपान सामग्री उपलब्ध कराई।

वीरांगनाओं व परिजनों को किया सम्मानित

भिवानी। हालुवास में कारगिल विजय दिवस पर सैनिक अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया। अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्यतिथि आरएसएस के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप उपस्थित रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में जिला परिषद पार्षद प्रतिनिधि मोनू देवसर, पूर्व सैनिक संघ जिला प्रधान सुरेंद्र कौशिक, सोनू सरपंच हालुवास उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मुख्यतिथि ने वीर शहीदों की वीरांगनाओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और कहा कि हमारे सैनिकों के अथक प्रयास से ही देश ने कारगिल में विजय हासिल की।

हरफूल जाट का बलिदान दिवस मनाया

तोशाम। ग्राम स्वराज किसान मोर्चा एवं गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट द्वारा रविवार को गांव खावा स्थित हरफूल जाट जुलानीवाला गौशाला में महान गौभक्त हरफूल जाट जुलानी वाला का बलिदान दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु और ट्रस्ट के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गोदारा ने की तथा संचालन रामबीर फौजी व राजपाल चाहर ने किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गौशाला में गायों को गुड़ खिलाना और पौधरोपण करना रहा। जो पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। खावा में हरफूल जाट जुलानीवाला गौशाला की देखरेख और प्रबंधन के लिए एक 31 सदस्यीय निगरानी कमेटी का गठन किया।

एक पौधा एक जिंदगी अभियान का श्री गणेश

भिवानी। हरियाली तीज के शुभ अवसर पर भिवानी क्लब, भिवानी द्वारा एक विशेष पर्यावरणीय पहल के अंतर्गत "एक पौधा, एक ज़िन्दगी" अभियान का आयोजन सिनियर सिटीजन क्लब, सेक्टर-13, भिवानी में किया गया। इस आयोजन में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देना तथा समाज में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता पैदा करना था। इस अवसर पर अशोक और औषधीय महत्व के वृक्षों का पौधरोपण किया गया।

गंदगी से दुकानदारों का बैठना दुभर हो गया

बरसाती व सीवरेज का गंदा पानी निकालने के लिए विधायक और चेयरमैन ने लगवाए पंप, शहरवासी बोले ऐसा मंजर पहली बार देखा

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में बरसाती व सीवरेज का गंदा पानी अधिकतर स्थानों पर लबालब है जिससे शहरवासी परेशान है इसी समस्या को देखते हुए से विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि व चेयरमैन सुंदर अत्री ने शहर के विभिन्न वार्डों का मुआयना किया व तालाब के किनारे व अन्य स्थानों पर पम्प लगवाने का कार्य किया ताकि पानी की निकासी हो सके। शहरवासियों में हनुमान पारासर, मुकेश कुमार, अशोक कुमार, प्रवीण कुमार, बिटटू, महेश कुमार, महेन्द्र सिंह, अनूप कुमार, गौरव कुमार आदि ने बताया कि बवानी खेड़ा में नगर पालिका कार्यालय एवं फेमस वीके फोटो स्टेट के पीछे खाली मैदान में सीवरेज व बरसाती पानी जमा है ये पानी निकलने की बजाए गंदे नाले का पानी इस मैदान में रोजाना आ रहा है। जिससे मैदान गंदे पानी से लबालब हो गया है। गंदगी से दुकानदारों का बैठना दुभर हो गया है इस पर मच्छरों ने भी अपना कहर मचाया हुआ है।

ट्रिपल इंजन की सरकार से लोगों को बहुत उम्मीदें थीं लेकिन ये उम्मीदें अब टूटने लगी

सड़न की बदबू से जीना दुभर हुआ

लोगों ने बताया कि लगभग 30 वर्ष पहले आई बाढ़ के समय भी ऐसी स्थिति नहीं बनी थी लेकिन अबकि बार ऐसा क्या हुआ कि विभाग पानी निकालने में असफल नजर आ रहे हैं। वहीं शहीद गुलाब सिंह पार्क के पास नालों में पानी जमा है, पानी की निकासी नहीं हो पा रही वहीं दादी गौरी मंदिर खेल मैदान हो या बिजली निगम के पास हर और पानी लबालब है। लगता है प्रशासन ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए हैं कि पानी की निकासी नहीं है। शहरवासियों का कहना है कि ट्रिपल इंजन की सरकार से उन्हें बहुत उम्मीदें है लेकिन ये उम्मीदें अब टूटने लगी हैं। गंदे पानी की निकासी न होने के कारण सड़न की बदबू से जीना दुभर हो गया है। सीवरेज का पानी सड़कों का सीना फाडकर बाहर निकल रहा है जिससे करोड़ों की लागत से बनाई गई सड़के गंदे पानी की भेंट चढ़ गई है। बरसाती पानी से तालाब ओवर फ्लो हो गए हैं जिसके कारण गलियों और सडक पर दूषित पानी रुक गया।

बवानीखेड़ा। पंप लगवाकर पानी की निकासी करवाते हुए विधायक कपूर वाल्मीकि व नगर पालिका कार्यालय एवं वीके फोटो स्टेट के पीछे खाली मैदान में सीवरेज व बरसाती जमा पानी। *फोटो: हरिभूमि*

निकासी करवाई जा रही: विधायक

दूसरी तरफ वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि बेतहाशा बारिश के कारण पहली बार ऐसी स्थिति बनी है। अधिकारियों को आदेश दिए गए हैं, वीके फोटो स्टेट के पीछे मैदान में, बिजली निगम के पास सहित अन्य स्थानों पर पंप लगाकर इस पानी की निकासी करवाई जा रही है।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तीज: प्रेमलता

महिलाओं ने झूला झूलकर व सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी कर मनाया पर्व

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना तीज मेला महोत्सव का उद्देश्य: चरणदास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

मातृ शक्ति के सम्मान में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा बालयोगी महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में हनुमान जोहड़ी मंदिर धाम में आयोजित तीन दिवसीय तीज मेला महोत्सव रविवार को अपने पूरे उल्लास पर रहा। पुजारी ध्यानदास महाराज ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि विधायक घनश्याम सर्राफ की धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ तथा विशिष्ट अतिथि जींद नप की चेयरपर्सन डॉ. अनुराधा सैनी ने शिरकत की।

अतिथि महिलाओं ने मौजूद महिलाओं संग पारंपरिक उत्साह के साथ झूला झूलकर और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर तीज पर्व का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में सुबह से ही महिलाओं और युवतियों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी, जो रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर उत्सव का हिस्सा बनने आई थी। महोत्सव में पारंपरिक गीतों व नृत्यों की धूम रही। महिलाओं ने समूह में तीज के लोकगीत गाए और पारंपरिक हरियाणवी नृत्यों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरे वातावरण में उत्सवपूर्ण माहौल छा गया। विशेष रूप से सजाए गए झूलों पर झूलती महिलाओं की हंसी-ठिठोली ने पर्व की रौनक को और बढ़ा दिया। महिलाओं ने तीज से संबंधित लोक गीतों, कथाओं और कविताएं सुनाई, जिससे नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिला। ट्रस्ट द्वारा महिलाओं के लिए मेहंदी, रंगोली व लोक नृत्य प्रतियोगिता करवाई गई। इस मौके पर महंत चरणदास ने कहा कि तीज महोत्सव का मुख्य उद्देश्य मातृशक्ति का सम्मान करना और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है। तीज पर्व प्रकृति के साथ-साथ नारी शक्ति का प्रतीक है और ऐसे आयोजनों से समाज में महिलाओं की भूमिका और महत्व को रेखांकित किया जा सकता है। इस अवसर पर सीमा सिंधु, सुशीला पुनिया, ममता सैनी, किरण सैनी, किरण गुप्ता, मुस्कान वर्मा व सरोक कौशिक आदि मौजूद रहे।

भिवानी। तीज मेला महोत्सव में झूला झूलती विधायक घनश्यामदास सर्राफ की पत्नी प्रेमलता सर्राफ। *फोटो: हरिभूमि*

ऐसे कार्यक्रम सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा

विधायक घनश्यामदास की धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ व चेयनपर्सन डॉ. अनुराधा सैनी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा साबित होते है, जो परंपरा, उल्लास एवं सामुदायिक भागीदारी का सुंदर संगम प्रस्तुत करता है।

भिवानी। तीज महोत्सव में भाग लेते महिलाएं व बच्चें। *फोटो: हरिभूमि*

महिलाओं ने तंबोला, म्यूजिकल चेयर और प्रश्नोत्तरी में की भागीदारी

भिवानी। जेसीआई भिवानी ने रोहतक गेट स्थित निजी रेस्तरां में तीज महोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया। कार्यक्रम में संस्था की महिला सदस्यों ने मनमोहक एवं आकर्षक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में महिला सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के ग्रुप डांस एवं बच्चों ने मनमोहन नृत्य प्रस्तुत किया और खास तौर पर संस्था के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक सामान व खेल सामान की प्रदर्शनी लगाई। इस मौके पर तंबोला, म्यूजिकल चेयर, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में आए सभी सदस्यों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया। जेसीआई भिवानी के प्रधान राहुल बासिया व प्रोजेक्ट डायरेक्टर सारिका अग्रवाल ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत का पता चलता है और समाज को सही राह पर आगे बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि श्रीसनातन संस्कृति में तीज-त्यौहारों का विशेष महत्व है, प्रत्येक त्यौहार कुछ न कुछ सकारात्मक संदेश देना चाहता है। कार्यक्रम के आयोजन में प्राजेक्ट डायरेक्टर पंखुड़ी सिंगला, मोनिका जैन व शिल्पा गर्ग का विशेष योगदान रहा।

भिवानी। हरियाली तीज महोत्सव में झूला झुलती बीके वसुधा बहन।

नैतिक मूल्यों को धारण कर समाज को बनाएं दिव्य एवं श्रेष्ठ: बीके वसुधा

- ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने स्वयं झूला झूल तीज उत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

नैतिक व चारित्रिक मूल्यों को जीवन में धारण कर समाज को दिव्य व श्रेष्ठ बना सकते हैं, ये उदगार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोझूकलां शाखा के तत्वावधान में निर्माणाधीन प्रभु पसंद भवन में आयोजित हरियाली तीज महोत्सव में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने स्वयं झूला झूल तीज उत्सव का शुभारंभ किया और कहा कि हम सदा परमात्म प्यार के झूले में झूलते रहे, तो जीवन में आनंद खुशी प्रेम व दिव्यता सहज ही आती है। उन्होंने कहा कि परमात्म प्यार हमें लगाव, झुकाव व तनाव से मुक्त करता है।

ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि आध्यात्मिकता को जीवन में धारण कर रहमदिल बनकर हर कर्म निमित्त भाव निर्माण भाव व निर्मल वाणी के साथ करें, तभी हमारे आपसी संबंध मधुर होंगे और सद्भावना सौहार्द का वातावरण बनेगा। सामाजिक एकता एवं दिव्यता भी सुदृढ़ होगी। झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कहा कि हम गृहस्थ में रहते हुए सुख, शांति व आनंदमय जीवन जीना चाहते हैं तो हमें मानसिक रुप से स्वस्थ व सुखी होना होगा, जिसके लिए राजयोग मेडिटेशन रामबाण औषधि है।

बीके नीलम बहन ने कहा कि हमें हर उत्सव को आध्यात्मिक रूप से मनाना चाहिए, इसके लिए हमारे जीवन में जो भी अनावश्यक व्यर्थ बातें हैं उनको छोड़ने का दृढ़ संकल्प ले श्रेष्ठ व दिव्य गुण अपने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए,तभी उत्सव हमें सद्गुणों व मानवीय मूल्यों की सौगात देंगे। इस अवसर पर सभी ब्रह्माकुमार भाई बहनों ने झूला झूल ईश्वरीय प्रसाद ग्रहण कर हर्षोल्लास से तीज उत्सव मनाया।

पीएम के संदेश का गहरा असर पड़ा

- आज अंतरिक्ष में 200 से ज्यादा स्टार्टअप : प्रधानमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

पीएम नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 124 वें एपिसोड के लिए कस्बे में खासा उत्साह देखने को मिला। बहल कस्बे के सभी 11 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को लोगों ने बड़े चाव से सुना और कहा कि पीएम मोदी ने हर एक उस भारतीय की कार्यकुशलता को प्रचारिक करने का काम किया है जो देश को आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष व मन की बात कार्यक्रम के विधानसभा प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि पीएम मोदी के संदेश का लोगों पर गहरा असर पड़ा है। पीएम ने भारत की समृद्ध परंपरा, जैव विविधता संरक्षण और विज्ञान के क्षेत्र में देश की प्रगति पर चर्चा कर लोगों को समृद्ध भारत की नई तस्वीर से अवगत कराया है। उन्होंने अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की सफल वापसी पर खुशी जताते हुए लोगों को अवगत कराया कि आज अंतरिक्ष में 200 से ज्यादा स्टार्टअप है। सुनील शर्मा ने बताया कि खंड के सभी 62 बूथों पर लोगों ने इस कार्यक्रम को सुना और पीएम के संदेश को प्रेरणा के रूप में लेने का संकल्प लिया।

बहल। बहल में पीएम मोदी के मन की बात सुनते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सज्जन फौजी बिधनोई, पवन शर्मा सुरपुरा, पवन जावला, साहिल जावला, हनुमान शर्मा पाजू, अजय बिधनोई सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

विधायक सर्राफ ने कार्यकर्ताओं संग सुना मन की बात कार्यक्रम

भिवानी। भिवानी के बूथ नंबर-16 स्थित अपने कार्यालय में पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक घनश्याम सर्राफ ने रविवार को कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 124वां एपिसोड सुना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री के प्रेरक विचारों को सुना। कार्यक्रम सुनने के बाद घनश्याम सर्राफ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मन की बात के माध्यम से सीधे आम जनता से जुड़ते हैं और देश के विभिन्न कोनों से सफल कहानियों को साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का हर संबोधन हमें नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम सुना

- भाजपाइयों ने कार्यकर्ताओं के संग सुना प्रधानमंत्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम का 124वां एपिसोड सात नंबर चुंगी के पास भाजपाइयों ने कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इस दौरान टीवी स्क्रीन लगाकर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया, जिसमें अनेक लोगों ने हिस्सा लिया। पार्षद अंतर सिंह के कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहताश चौहान, भाजपा नेता विजय शेखावत, रोहताश लांबा, रामकिशन टीकेवाला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देश का सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम बन गया है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के कौने कौने से उन लोगों और संगठनों का जिक्र करते हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से अपने इलाके का नाम ऊंचा किया है। 124वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने देश के विभिन्न ऐतिहासिक किलों का जिक्र किया तथा उन किलों में से यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज किलों में शामिल किए 12 मराठों का किलों के बारे में भी बताया। इस मौके पर पार्षद सुनील सोलंकी, पार्षद जयसिंह सैनी, पार्षद संतलाल, पार्षद विजेंद्र सिंह, सरपंच राजकुमार, पार्षद प्रतिनिधि विपिन सैनी, अश्विनी सैनी आदि मौजूद रहे।

लोहारू। सात नंबर चुंगी के पास मन की बात सुनते हुए भाजपा नेता एवं कार्यकर्तागण।

सांसद धर्मबीर सिंह ने सभी उपस्थित लोगों से संवाद किया

सांसद ने कार्यकर्ताओं के संग सुना कार्यक्रम

- प्रधानमंत्री ने ग्रामीण विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी पर दिया बल : सांसद

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने रविवार को गांव दिनोद में बूथ संख्या 125 पर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को श्रद्धापूर्वक सुना। इस अवसर पर ग्रामीण जनों की सक्रिय उपस्थिति रही, और कार्यक्रम के उपरांत चौधरी धर्मबीर सिंह ने सभी उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री के विचारों एवं योजनाओं की सार्थकता पर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और सभी को देशहित में प्रेरित रहने का संदेश दिया।

तोशाम। पीएम मोदी की मन की बात सुनते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

देश की धड़कन

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात सिर्फ एक मन की बात कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की धडक्रन है। यह एक ऐसा मंच है जहां प्रधानमंत्री सीधे देशवासियों से जुड़ते हैं, उनकी भावनाओं को समझते हैं और उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते है। इसमें प्रधानमंत्री ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए, जो समाज के हर वर्ग के लिए प्रासंगिक हैं।

सीईटी परीक्षा संचालन में सेवा, समर्पण से जुड़ा इतिहास में नया अध्याय : पिंकू

- शटल बस सेवा की सुविधा देने की चहुंओर बढाई का ढोल बज रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू।

शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि हरियाणा में आयोजित कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) केवल एक प्रतियोगी परीक्षा नहीं रही, बल्कि यह एक सेवा, समर्पण और सहयोग की मिसाल बन गई। इस परीक्षा के संचालन में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों, पुलिस व सामाजिक संगठनों की सेवा सहयोग बेमिसाल रहा। जिसकी बदौलत जिले में सीईटी की परीक्षा शांतिपूर्वक तरीके से संचालित हुई। इस परीक्षा के संचालन ने यह साबित किया कि जब सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर कोई काम करते हैं, तो हर चुनौती आसान और प्रेरणादायक बन जाती है। हरियाणा सीईटी परीक्षाः सेवा, समर्पण और सहयोग का अद्वितीय उदाहरण बनी। जिस तरह से रोडवेज ने दूसरे जिले तक परीक्षार्थियों को पहुंचाना और उसके बाद शटल बस सेवा की सुविधा देने की चहुंओर बढाई का ढोल बज रहा है। परीक्षार्थियों का तर्क है कि परीक्षा पहली वाली सरकारों के कार्यकाल में भी दी थी।

खबर संक्षेप

हरियाली तीज पर किया पौधरोपण

बाढ़ड़ा। हरियाली तीज पर आसपास खाली जगह पर प्रेम सिंह दलाल व डॉ1टर रोहतास जांगड़ा की देखरेख में पौधरोपण किया। इस दौरान बाढ़ड़ा खंड समन्यवक मास्टर सुंदरपाल फौगाट ने कहा कि हमारा जीवन पूर्ण रूप से पौधों पर निर्भर करता है। इनसे फैली हरियाली हमारे तन मन को शांति प्रदान करती है। यह पर्यावरण को साफ व सुथरा बनाने में भी विशेष सहयोग प्रदान करते हैं, जिससे हमारे वातावरण में नमी का एक स्तर बना रहता हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी दृष्टि से देख लीजिए, पौधों का एक अलग ही महत्व दिखाई देगा।

इमरजेंसी में 21 युवाओं ने किया रक्तदान

भिवानी। प्रत्येक व्यक्ति को समाजसेवा में अपना हरसंभव सहयोग देना चाहिए। रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है, क्योंकि दान के रूप में दी गई रक्त की चन्द बूदें किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करती हैं, भिवानी में चौधरी बंसीलाल सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक में इमरजेंसी रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें कोमल गांधी, कुलदीप ठेकेदार, संदीप, शुभम सिंगला, रत्न तंवर, मोहित गुप्ता, अग्रसेन मित्तल, रवि कुमार, सुशील, मनोज नायक, अनिल पालुवास ,युवराज सोनी, मुकेश सिंगला, अक्षय, नरेन्द्र चौधरी, अनिल आदि रहे।

13 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

बाढ़ड़ा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चरखी दादरी के संदर्भ में चेयरमैन नरेश कुमार जिला एवं सत्र न्यायाधीश व सचिव संजीव काजला मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के निर्देशानुसार आज लीगल एड क्लीनिक कैंप का आयोजन रविवार को बाढ़ड़ा में किया, जिसमें एडवोकेट बबीता श्योराण पैनल अधिवक्ता व रितु देवी तथा पैरा लीगल वालिंटियर अधिकार रक्षक जितेंद्र डांडमा ने कैंप लगाया।

पति-पत्नी ने पौधरोपण कर मनाया जन्मदिन

भिवानी। चौधरी बंसीलाल पार्क में हनुमान ढाणी निवासी पनमेश्वरी देवी ने पति श्रीपाल निम्मीवाल के 64वें जन्मदिन पर हर वर्ष की भांति पार्क में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधरोपण कार्यक्रम के तहत अनेक फलदार, फुलदार व छायादार पौधे लगाए। पनमेश्वरी ने बताया कि वे अपने द्वारा लगाए पौधों की देखरेख भी करती हैं तथा लोगों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करती रहती हैं। पनमेश्वरी देवी व श्रीपाल निम्मीवाल ने युवाओं से आह्वान किया कि हमें स्वच्छ व शुद्ध वातावरण चाहिए तो अधिक से अधिक पौधे लगाएं।

350 करोड़ रुपये के बीमे के फ्रॉड की जांच हो निष्पक्ष

फ्रॉड की जांच की मांग को लेकर माकपा का प्रदर्शन

जलभराव की निकासी व मुआवजा सहित अन्य मांगों को लेकर माकपा ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। मांगों को लेकर शहर में प्रदर्शन करते माकपा के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कमेटी ने खरीफ फसल-2023 में क्षेमा जनरल इन्श्योरेन्स कंपनी द्वारा राज्य के कृषि कल्याण विभाग के आला अफसरों से मिलकर जो 350 करोड़ रुपये का बीमा फ्रॉड किया है उसकी उच्च स्तरीय न्यायिक जांच करवाने, दोषियों को सजा दिलवाने तथा ब्याज समेत फ्रॉड का पूरा पैसा किसानों को देने की मांग को लेकर स्थसानीय रेडक्रॉस भवन के सामने प्रदर्शन किया।

पार्टी ने किसानों की फ्रॉड सहित अन्य मांगों को लेकर लोहारू एसडीएम कार्यालय पर संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा डाले जा रहे अनिश्चित कालीन महापड़ाव को समर्थन दिया है। पार्टी के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि जिले के विशेषकर बवानीखेड़ा व भिवानी तहसील के दो दर्जन गांव के खेतों में हाल की बारिश से भारी जल भराव हो गया है। इन गांव की खरीफ फसल पूरी तरह शत-प्रतिशत नष्ट हो गई है। पार्टी ने जिला प्रशासन व राज्य सरकार से मांग की है कि तुरंत खेतों में भरा जल निकाला जाए, क्षति पूर्ति पोर्टल चालू करते हुए विशेष गिरदावरी करके पीड़ित प्रभावित किसानों को 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। उन्होंने बढ़ाए गए बिजली दरों व सार्वजनिक वितरण प्रणाली से दिए जाने वाले खाद्य तेल दामों में की गई बेतहाशा बढ़ोतरी वापिस करने व स्मार्ट मीटर योजना रद्द करने की मांग की है।

प्रदर्शन करने वालों में ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में पार्टी जिला सचिव मंडल सदस्य कामरेड अनिल कुमार, करतार ग्रेवाल, सुखदेव पालवास, पार्टी जिला कमेटी सदस्य रामफल देशवाल, सदीक डाडम, रणधीर कुंगड़, मास्टर शेर सिंह, मास्टर वजीर सिंह, नरेश शर्मा, चंद्रभान नाहलिया, सज्जन सिंगला, रतन कुमार जिंदल, धर्मबीर बामला, दलबीर चैहड़, वेद प्रकाश खेड़ी, रामोतार बलियाली, महिला नेत्री बिमला घनघस, अनुराधा, उपासना सिंह, सुरजीत आसलवास मरेठा, भीम सिंह नवा शामिल रहे।

मार्केट न्यूज

एमके हॉस्पिटल द्वारा पहाड़ी (माता मंदिर) गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

भिवानी। एमके अस्पताल ने पहाड़ी गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें 170 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। यह पहल ग्रामीण समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिविर में सामान्य चिकित्सा, बीपी, शुगर, खून की जांच,ईसीजी, और अन्य आवश्यक निःशुल्क जांचें की गईं। सभी जांचों के साथ-साथ आवश्यक दवाएं भी निःशुल्क वितरित की गईं। एमके अस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों जैसे सामान्य चिकित्सा विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, कैंसर रोग विशेषज्ञ, कान नाक गला रोग विशेषज्ञ, महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, यूरो सर्जरी विशेषज्ञ, जनरल सर्जरी विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ और नर्सिंग स्टाफ ने शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। एमके हॉस्पिटल टीम ने बताया कि ₹हमारा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना है। इस शिविर के माध्यम से हम पहाड़ी गांव के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में सफल रहे हैं। ₹ शिविर में ग्रामीणों को स्वस्थ जीवनशैली और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

शिक्षक अजय बिना बताए घर से लापता

बाढ़ड़ा। शिक्षक अजय कुमार डोहकी बीते नौ जुलाई को बिना किसी सूचना के घर से अचानक लापता हो गए हैं। उनके पिता प्रोफेसर अरुण कुमार ने बताया कि अजय कुमार नौ जुलाई की सुबह गाय को चारा डालने के लिए पशुओं के बाड़े की बोल कर गया था, लेकिन अभी तक घर पर नहीं लौटे हैं और उनका मोबाइल भी बंद आ रहा है। परिजनों ने बताया कि अजय कुमार एक निजी विद्यालय में बतौर शिक्षक कार्यरत थे और मानसिक रूप से भी पूरी तरह स्वस्थ थे। उनके इस प्रकार अचानक घर से गायब हो जाने से चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि पहले कभी भी इस प्रकार बिना बताए घर से नहीं जाते थे। परिजनों ने संबंधित थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। परिवार ने आमजन से किसी भी जानकारी मिलने पर तुरंत संपर्क करने की अपील की है।

हरियाली तीज पर सांसद सम्मानित

- सांसद धर्मबीर सिंह को सर्व जातीय खाटू खाप 84 धनाना ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। हरियाली तीज के पावन पर्व पर सांसद धर्मवीर सिंह को सर्व जातिय जाटू खाप 84 धनाना के द्वारा सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाली तीज के पावन पर्व पर सांसद धर्मवीर सिंह को सर्व जातीय जाटू खाप 84 धनाना के द्वारा सम्मानित किया गया। धनाना ब्रह्मचारी गौशाला के लिए एक ट्रैक्टर ट्रॉली एवं सर्व जातीय खाप चबूतरे के आगे एक शेड बनाने की घोषणा की गई उसके लिए संभावित राशि 15 लाख रुपए प्रधान कर दी गई प्रत्येक गांव में पानी के जलभराव के कारण सभी सदस्यों के सामने 1 घंटे तक मीटिंग चली। राजपाल आईजी ने कैप्टन भीम सिंह ने प्रत्येक गांव जल भराव समस्याओं पर विशेष चर्चा की गई। सांसद ने बहुत ही अच्छे तरीके से समस्या को सुना और समझा और जल्द ही जल्द समस्या को समाधान करने वाले उपायुक्त को आदेश दिए।

बकाया मुआवजे की मांग को प्रदर्शन

- अनाजमंडी के सामने 11 वें दिन भी धरना जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। कस्बे के जुई रोड पर मुआवजे की मांग को लेकर धरने पर बैठे किसान।

संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा 2023 के मुआवजे की मांग को लेकर कस्बें की अनाजमंडी के सामने रविवार को लगातार 11 वे दिन भी धरना जारी रखा। धरने की अध्यक्षता किसान रणधीर उमरवास ने की। कस्बे के जुई रोड स्थित धरनारत किसान संगठनों ने खरीफ 2023 कपास बीमा क्लेम में 150 सौ करोड़ रुपयों के घोटाले की जांच की मांग तथा क्लेम प्राप्ति तक बाढ़ड़ा में अनिश्चितकालीन धरना तथा लोहारू में अनिश्चितकालीन महापड़ाव जारी रखने का फैसला किया। बाढ़ड़ा में आज 11वें दिन अनाजमंडी के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा। धरने की अध्यक्षता रणधीर उमरवास ने की। धरने का संचालन कामरेड रामपाल धारणी ने किया। धरने को संबोधित करते हुए भुप सिंह दलाल व ब्रहमपाल बाढ़ड़ा ने कहा कि खरीफ 2023 कपास बीमा क्लेम में भिवानी व चरखी-दादरी जिलों के 350 करोड़ रुपयों के घोटाले की जांच की मांग तथा बीमा क्लेम ब्याज सहित जारी करने, समार्ट मीटर ना लगाने, बिजली के बढ़ा हुआ चार्ज वापिस लेने आदि मांगों को लेकरकिसान घरना दे रहे हे उन्होंने कहा कि जब तक मुआवजा आदि की मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तब तक किसानों का धरना जारी रहेगा। आज के धरने पर रामपाल धारणी, रणधीर उमरवास, सतवीर सिंह भांडवा, राधे श्याम शर्मा, करतार सिंह गोपी आदि रहे।

मांगों को लेकर निर्माण मजदूरों की बैठक

- मांगों को लेकर निर्माण मजदूर 14 सितंबर को करेंगे श्रममंत्री विज का घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। गांव गोपालवास में निर्माण मजदूरों की बैठक में मौजूद युनियन के सदस्य।

सरकार द्वारा निर्माण मजदूरों को मिलने वाले लाभ पर पूरी तरह रोक लगा दी जिसको लेकर पहले ब्लॉक स्तर पर फिर अगर सरकार नहीं मानी तो 14 सितंबर को श्रम मंत्री के निवास का घेराव करेंगे, जिसको लेकर रविवार को भवन निर्माण कामगार युनियन के सदस्यो ने जन अभियान के तहत गांव पिचोपा खुर्द, बेरला, कादमा, बढ़राई, गोपालवास आदि मे मजदूर मिस्त्री को संबोधित करते हुएउन्हे जागरूक किया। युनियन जिला संयोजक सुमेर सिंह सीटू व जिला कोषाध्यक्ष रोशनलाल ने कहा कि दो अगस्त को ब्लॉक स्तरीय आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद जिलों के हेड क्वार्टर पर प्रदर्शन कर 14 सितंबर को श्रममंत्री अनिल विज के आवास पर घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड की ओर से पंजीकृत निर्माण मजदूरों के लाभ रोकने का निर्णय गलत है बोर्ड में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का बोलबाला है इसलिए मजदूरों के लाभ रोके जा रहे हैं। जो कतई ठीक नहीं है हमारी यूनियन लंबे समय से बोर्ड में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करती रही है जिस पर प्रदेश की सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की, अब भी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्यवाही करने की बजाय मजदूरों के लाभ रोके जा रहे हैं जिस किसी रूप में सहन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि 2005 में निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड का गठन हुआ था उसके बाद 2018 तक ऑफलाइन पंजीकरण का काम किया गया। सभी मजदूरों के लाभ रोक कर तो राज्य सरकार ने ऑफलाइन पंजीकृत करते हुए मजदूर, जो की वेरिफिकेशन के बाद ही पंजीकृत हुए हैं उनके हकों पर भी डाका डालने का काम किया है । यही नहीं 2018 के बाद से लगातार कभी फैमिली आईडी के नाम पर कभी बेमानी शर्तों के नाम पर मजदूरों के लाभ रोके जा रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके राकेश, मुकेश, मनजीत, कृष्ण, कुलदीप, नरेंद्र, ओम प्रकास, सुखबीर, लीलाराम, सोमबीर, रेखा, सुनिता ,अनिता, बीरमती , दर्शना, कविता, सुमन, राजबाला, अंजू आदि मौजूद रही।

ग्रामीण गांव के विकास कार्यों का खाका तैयार कर उनके पास भेजें: विधायक सर्राफ

भिवानी। गांव उमरावत स्थित बाबा मुखरामदास मंदिर में नवनिर्मित शेड का उद्घाटन मुख्यतिथि विधायक घनश्याम दास सर्राफ ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक, सरपंच सुधीर कौशिक, पूर्व सरपंच दिनेश व बाबा बलदेव दास कमेटी के अध्यक्ष रामधारी कौशिक ने संयुक्त रूप से की तथा विधायक सर्राफ का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। विधायक सर्राफ ने कहा कि शैड के निर्माण में लगभग 10 लाख रुपये की लगात आई, इसके पूर्ण निर्माण में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि गांव के विकास के लिए वे हर प्रकार की सहायता करने के लिए तैयार हैं, बस जरूरत है तो सभी ग्रामीण एकजुट होकर विकास कार्यों का खाका तैयार कर उनके पास भेजें। इस अवसर पर पुरूषोत्तम शर्मा, बालाराम, लोकराम, संजय, घनश्याम, बजरंग, सत्यनारायण व प्रमोद आदि उपस्थित रहे।

गायों की सेवा करना श्रेष्ठ धर्म

- गायों की सेवा करना सनातन धर्म में श्रेष्ठ धार्मिक कार्य : गजानंद

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

बहल। बाबा बाड़ीनाथ गोशाला में कक्ष निर्माण की नींव रखते हुए पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल। *फोटो: हरिभूमि*

गायों की सेवा करना सनातन धर्म में श्रेष्ठ धार्मिक कार्य माना गया है। गोसेवा से जहां व्यक्ति को पुण्य की प्राप्ति होती है वहीं उसकी आध्यात्मिक भावना का विकास होता है। हिंदू धर्म में गो सेवा को धार्मिक के साथ सामाजिक कर्तव्य माना गया है। इसलिए, हर एक को अपने सामथ्र्य अनुसार गो सेवा में योगदान देना चाहिए। उक्त विचार क्षेत्र के प्रमुख गो सेवक व बहल के पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने बाबा बाड़ीनाथ गोशाला चैहड़ कलां में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने गोशाला में अपने पिता गोसेवक स्व. ताराचंद अग्रवाल व माता स्व. गिंदोड़ी देवी अग्रवाल की स्मृति में उनके पुत्रों मामनचंद अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल व प्रमोद अग्रवाल द्वारा बनाए जाने वाले कमरे की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि हर एक व्यक्ति को गो सेवा को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उनका परिवार हमेशा गो सेवा से जुड़ा रहा है और गोमाता का आर्शीवाद उनके परिवार को हमेशा मिला है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी गोसेवा के लिए अपना योगदान देते रहेंगे। गोशाला प्रधान विकास श्योराण, सरपंच बीरसिंह, ओमप्रकाश पटवारी, दलीप सिंह ने गजानंद अग्रवाल को गोशाला में दिए गए सहयोग के लिए आभार जताया और कहा कि गोशाला में एक कमरे की जरूरत महसूस की जा रही थी।

किसानों ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को किया नमन

लोहारू। किसान हित की मांगों और करीब 350 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय में 12 दिनों से चल रहे किसानों के महापड़ाव के दौरान रविवार को किसानों ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। किसान नेत्री एडवोकेट कविता आर्य ने कहा कि भारतरत्न डॉ. अब्दुल कलाम मिसाइल मैन के नाम से जाने जाते हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समन्वयता को सजीव रूप प्रदान किया था। उनके आदर्श प्रत्येक भारतीय के लिए अनुकरणीय हैं। धरने के 12वें दिन धरने की अध्यक्षता श्रीचंद ओबरा, देवीदयाल पहाड़ी, इंद्राज दमकोरा व नवीन बसीरवास ने की, जबकि धरने का संचालन धर्मपाल बारवास, मास्टर जगरोशन व पृथ्वी सिंह गोठड़ा ने की। धरने पर किसानों ने केंद्र व प्रदेश सरकार को खरी खरी सुनाई तथा कहा कि किसान अपने हकों की लड़ाई लड़ रहा है जब तक उन्हें उनका हक नहीं मिल जाता। किसान आंदोलन से पीछे नहीं हटेगा। इस मौके पर रामचंद्र फौजी, सुरेन्द्र गोपालवास, सुरजभान राहड़, रामपाल सिंघानी, मनफूल ओबरा, उमराव सिंह मोरकां व रामसिंह शेखावत आदि ने धरने को संबोधित किया।

कारगिल विजय दिवस पर हाफ मैराथन का आयोजन

धावक बालकिशन, नसीब व रमेश ने जीते पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। पदक विजेता धावक बालकिशन द्वारका, नसीब कुमार व रमेश श्योराण।

कारगिल विजय दिवस पर दिल्ली द्वारका के सेक्टर 14 में हाफ मैराथन का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लगभग 1800 महिला एवं पुरुष धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन वीर सैनिकों की शहादत एवं बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए स्मृति स्वरूप किया गया। मैराथन में 21, 10 और 5 किलोमीटर की दौड़ करवाई गई। प्रतियोगिता में भिवानी जिले से सेक्टर 23 निवासी बालकिशन द्वारका, पूर्व सैनिक नसीब कुमार बामला, तथा सेक्टर 13 के रमेश श्योराण ने 5 व 10 किलोमीटर की दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीते। बालकिशन द्वारका ने 60प्लस आयु वर्ग में 5 किलोमीटर की दौड़ 27 मिनट में पूरी कर तीसरा स्थान प्राप्त कर नाम रोश किया।

पांच किलोमीटर दौड़ में नसीब का शानदार प्रदर्शन

वहीं नसीब ने पांच किलोमीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन कर 24.20 सेकेंड में पदक हासिल किया। रमेश श्योराण ने 10 किलोमीटर रन 1 घंटा 3 मिनट में पूरी कर मेडल जीता। मास्टर एथलेटिक्स समिति के मीडिया कोऑर्डिनेटर बालकिशन ने बताया कि मैराथन हर वर्ष की भांति दिल्ली के द्वारका सेक्टर 14 में स्मृति दिवस पर होती है। इस मौके पर अतिथियों ने विजेता धावकों को सम्मानित किया। भिवानी के तीनों धावकों ने इससे पूर्व भी माउंट आबू, वृंदावन, दिल्ली, सोनीपत और अयोध्या में हुई मैराथनों में सफलता प्राप्त कर भिवानी जिले, बहादुरगढ़ रनर ग्रुप तथा हरियाणा राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। धावकों की उपलब्धि पर बहादुरगढ़ रनर ग्रुप, अटल स्पोर्ट्स क्लब, सुरजीत सिंह मेमोरियल खेल समिति, पूर्व खेल अधिकारी जयसिंह, वीरेंद्र कुमार, पोल वाल्टर फूल कुमार, कोच जगदीश, सूबेसिंह, राजेंद्र, सेक्टर 23 प्रधान सज्जन सिंगला, एडवोकेट कुलदीप, सुमन लेघा, मनोज जांगड़ा, कप्तान रामानंद मलिक ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भाकियू ने आपात बैठक कर सीएम की वार्ता को सही ठहराया

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। कस्बे के किसान भवन में बैठक करते भाकियु के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

भारतीय किसान युनियन जिला चरखी दादरी की बैठक कस्बे के सर छोटू राम किसान में आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता भाकियु जिला प्रधान हरपाल भांडवा ने की। बैठक को संबोधित करते हुए। उन्होंने बताया कि बैठक में बकाया मुआवजे, बिजली कने1शन न देने, जल्द नए कने1शन जारी करने आदि मांगों कों लेकर विचार विर्मश किया गया । उन्होंने बताया कि किसानों ने 2023 के बकाया मुआवजे की मांग को लेकर घरना शुरू किया था जिस पर तीन बार विधायक पातुवास ने आकर किसानों से बात की और मुख्यमंत्री से मिलवाने की बात कही। इसके बाद 24 को चरखी दादरी में मुख्यमंत्री से बातचीत हुई और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी मांगों पर सहमती जताते हुए जल्द समाधान का भरोसा दिया था। इस दोरान बाढ़ड़ा व दादरी के विधायक भी मौजूद थे। किसान युनियन ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व विधायक के आश्वासन पर धरना समाप्त करने का निर्णय लिया।